ट्रंप ने सऊदी अरब के साथ की आर्थिक साझेदारी

1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर करने की घोषणा -प्रिंस

अमेरिकी श्रमिकों, उद्योग और सुरक्षा को प्राथमिकता देगा

वाशिंगटन, 19 नवंबर. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के बीच मंगलवार को हुई वार्ता में दोनों देशों ने रक्षा, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, व्यापार और निवेश के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए. सऊदी अरब ने अमेरिका में अपनी निवेश प्रतिबद्धता को बढ़ाकर लगभग 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर करने की घोषणा की.

यह राशि मई 2017 में राष्ट्रपति ट्रम्प की रियाद यात्रा के दौरान घोषित 600 अरब डॉलर की प्रतिबद्धता से लगभग दोगुनी है. व्हाइट हाउस ने इस समझौते को एक बड़ा कदम बताया है जो अमेरिका-सऊदी रणनीतिक साझेदारी को और बेहतर करेगा और उच्च वेतन वाली अमेरिकी नौकरियों के अवसरों का विस्तार करेगा. इसके अलावा यह महत्वपूर्ण आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करेगा, क्षेत्रीय स्थिरता को मज़बूत करेगा और अमेरिकी श्रमिकों, उद्योग और सुरक्षा को प्राथमिकता देगा. प्रमुख उपलब्धियों में असैन्य परमाणु सहयोग समझौता, महत्वपूर्ण खनिजों के सहयोग में प्रगति और एक एआई समझौता ज्ञापन शामिल हैं.

ये समझौते अमेरिकी लोगों को सीधे लाभ पहुंचाने वाले सौदे हासिल करने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हैं. ये समझौते ट्रम्प प्रशासन के अमेरिका फर्स्ट दृष्टिकोण को प्रदर्शित करते हैं, जो संयुक्त राज्य अमेरिका को विश्व मंच पर एक अग्रणी के रूप में मजबूत करते हुए हमारे आर्थिक भविष्य को सुरक्षित करते हैं.

> अमेरिका-सऊदी रणनीतिक रक्षा समझौता (एसडीए) पर हस्ताक्षर हुआ, जो 80 वर्ष पुरानी रक्षा साझेदारी को और मजबूत करेगा. सऊदी अरब को एफ-35 लड़ाकू विमान की संभावित आपूर्ति और करीब 300 अमेरिकी टैंकों की खरीद को मंजूरी दी गई. असैन्य परमाणु सहयोग समझौते में अमेरिकी कंपनियों को सऊदी परमाणु कार्यक्रम में प्राथमिकता दी गई है तथा कड़े अप्रसार मानकों का पालन सुनिश्चित किया गया है. दोनों देशों ने मोटर वाहन सुरक्षा मानकों की पारस्परिक मान्यता, गैर-टैरिफ बाधाओं में कमी और पूँजी बाजार सहयोग बढ़ाने के समझौते भी किए.

टीआईए पोर्टल से एमएसएमई और निर्यातकों को रियल-टाइम डेटा

नई दिल्ली,19 नवबंर. केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने हाल ही में टीआईए पोर्टल का शुभारंभ किया, जो देश के निर्यातकों, आयातकों, स्टार्टअप्स और एमएसएमई के लिए रीयल-टाइम व्यापार डेटा और विश्लेषण प्रदान करेगा. यह पोर्टल वन-स्टॉप व्यापार खुफिया और विश्लेषण मंच है, जिसमें 270 से अधिक विश्लेषणात्मक टूल उपलब्ध हैं.

टीआईए पोर्टल उपयोगकर्ताओं को भारत और वैश्विक व्यापार, कमोडिटी और सेक्टोरल रुझानों की तुरंत और इंटरएक्टिव जानकारी देगा. इससे न केवल उद्योग और नीति निर्माता बल्कि निर्यातक भी तेजी से सटीक निर्णय ले सकेंगे.

इंफोसिस का 18,000 करोड़ का बायबैक कल से शुरू

10 करोड़ शेयरों की खरीद से कंपनी का आरओई मजबूत होगा

प्रमोटर हिस्सा नहीं लेंगे, रिटेल को मिलेगा फायदा

नई दिल्ली, 19 नवबंर. इंफोसिस, भारत की अग्रणी आईटी कंपनी, अपने शेयरधारकों के लिए बड़ा तोहफा लेकर आ रही है. कंपनी का 18,000 करोड़ रुपये का शेयर बायबैक कल यानी 20 नवंबर 2025 से शुरू हो रहा है और यह 26 नवंबर तक चलेगा.

यह इंफोसिस का अब तक का सबसे बड़ा बायबैक है, जिसमें कंपनी अपने शेयर 1,800 रुपये प्रति शेयर की प्रीमियम दर पर खरीदेगी, जो मौजूदा बाजार मूल्य से लगभग 19 प्रतिशत ज्यादा है. इस बायबैक का मुख्य उद्देश्य कंपनी के अतिरिक्त कैश को शेयरधारकों तक वापस पहुंचाना है. इंफोसिस इस योजना के तहत 10 करोड़ शेयर खरीदेगी, जो उसके कुल शेयरों का 2.41 प्रतिशत है.

प्रमोटर इस बायबैक में हिस्सा नहीं लेंगे, जिससे रिटेल और पब्लिक निवेशकों के लिए अवसर और बढ़ जाता है. छोटे निवेशकों के लिए बायबैक में 15 प्रतिशत शेयर रिज़र्व किए गए हैं, और उनके लिए बायबैक रेशियो 2 शेयर प्रति 11 शेयर निर्धारित किया गया है. विशेषज्ञों के अनुसार, मजबूत कैश फ्लो और शेयर काउंट घटने से कंपनी का रिटर्न ऑन इक्विटी (आरओई) और मजबूत होगा.

आईफोन चोरी होने पर एप्पल केयर प्लस के तहत कवरेज

नयी दिल्ली, 19 नवंबर. अमेरिकी टेक दिग्गज एप्पल ने मंगलवार को भारत में एप्पलकेयर प्लस विकल्पों के विस्तार की घोषणा की जिसमें अब आईफोन चोरी होने या खो जाने पर भी कवरेज का लाभ मिलेगा. कंपनी ने बताया कि इसके तहत आईफोन के चोरी होने या खो जाने पर भी ग्राहकों को एप्पलकेयर प्लस का लाभ मिल सकेगा. ग्राहक मासिक या वार्षिक एप्पलकेयर प्लस प्लान ले सकेंगे.

उनके पास अपने एप्पल प्रोडक्ट्स की सुरक्षा के बारे में अब अधिक विकल्प और लचीलापन उपलब्ध होगा, वे जब तक चाहें इसे एक्टिवेट रख सकते हैं और जब चाहें सबस्क्रिपशन आगे जारी नहीं रखने का फैसला कर सकते हैं. एप्पल की आईफोन उत्पाद विपणन की वैश्विक उपाध्यक्ष कायन ड्रेंस ने कहा, हमारे एप्पलकेयर ग्राहकों को यह जानकर मानसिक सुकून मिलेगा कि उनके उत्पाद एप्पल विशेषज्ञों द्वारा सुरक्षित और समर्थित हैं. भारत में आज के अपडेट के साथ हम आईफोन के लिए हमारे सर्वाधिक परिपूर्ण कवरेज तक पहुंच के अलावा विश्वसनीय सुरक्षा प्राप्त करना आसान तथा अधिक किफायती बना रहे हैं.

एप्पलकेयर प्लस हर साल चोरी या गुम होने की अधिकतम दो घटनाओं के लिए कवरेज प्रदान करता है. कंपनी ने बताया कि ग्राहक के आईफोन के खो जाने या चोरी हो जाने की स्थिति में अतिरिक्त अश्योरेंस के अलावा इस प्लान में एप्पलकेयर प्लस के पहले से जारी सभी लाभ मौजूद हैं जिन्हें उपयोगकर्ता जानते और पसंद करते हैं.

इसमें बैटरी रिप्लेसमेंट सेवा, हर दिन चौबीसों घंटे प्राथमिकता के आधार पर मदद और ऑरिजिनल एप्पल पार्ट्स का उपयोग करके आकस्मिक क्षति के लिए असीमित मरम्मत शामिल है.

> आईफोन के लिए चोरी और खोने की स्थिति में कवरेज के साथ एप्पलकेयर प्लस प्लान 799 रुपये मासिक से शुरू होते हैं. ग्राहक अपने आईफोन, आईपैड या मैक पर सेटिंग्स ऐप से सीधे योग्य डिवाइसों के लिए सब्सक्रिप्शन के विकल्प देख सकते हैं और कवरेज के लिए भुगतान कर सबस्क्राइब कर सकते हैं. कवरेज तुरंत शुरू हो जाता है.

आरबीआई ने कभी नहीं मांगी गोपनीय जानकारी

नई दिल्ली,19 नवबंर. भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने हाल ही में एक चेतावनी जारी की है कि देश में कुछ लोगों को आरबीआई के नाम से वॉइसमेल, मैसेज और कॉल आ रहे हैं. इन संदेशों में कहा जा रहा है कि उनके बैंक खाते ब्लॉक कर दिए जाएंगे, क्योंकि उनके क्रेडिट कार्ड का गलत इस्तेमाल हुआ है. यह सुनकर कई लोग परेशान हो जाते हैं. लेकिन असल में यह सब फर्जी स्कैम है. आरबीआई खाताधारकों से कभी भी कोई गोपनीय जानकारी नहीं मांगता. जागरूकता अभियान 'आरबीआई कहता है' के तहत लोगों को सूचना भेजता है. इस मामले को लेकर स्पष्ट किया है कि यह धोखाधड़ी है और ऐसे वॉइसमेल या कॉल पर विश्वास न करें. देश में साइबर फ्रॉड के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं.

सोना-चांदी की कीमतों में आया उछाल

नई दिल्ली, 19 नवंबर. पिछले एक महीने में सोना-चांदी की कीमतों ने निवेशकों को खूब उलझाकर रखा है. कभी 1,000 रुपये की अचानक गिरावट, तो कभी एक ही दिन में 2,000 रुपये की तेज बढ़त-लोग समझ ही नहीं पा रहे थे कि आखिर खरीदारी का सही समय कब आएगा. लेकिन आज बाज़ार में जो हलचल दिखी, उसने विशेषज्ञों का रुख बिल्कुल साफ कर दिया है.

उनका कहना है कि यही वह समय है जब लोग बिना देर किए सोना-चांदी खरीदने पर विचार कर सकते हैं. एमसीएक्स पर दिसंबर वायदा में सोना 1,23,392 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 1,56,606 रुपये प्रति किलो पर

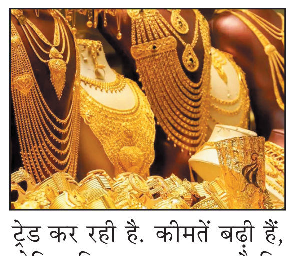

ट्रेड कर रही है. कीमतें बढ़ी हैं, लेकिन दिलचस्प बात यह है कि दोनों धातुएं अभी भी अपने रिकॉर्ड हाई से काफी नीचे हैं.

अक्टूबर में सोना 1.32 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गया था, जबकि चांदी 1.70 लाख रुपये प्रति किलो के स्तर पर थी. आज की कीमतों को देखें तो सोना लगभग 9,000 रुपये और चांदी करीब 14,000 रुपये सस्ती है—यानी खरीदारों के लिए एक बड़ा फायदा.

भारतीय शेयर बाजार में आई तेजी

513 अंक के उछाल पर रहा सेंसेक्स

142 अंक की बढ़त पर रहा निफ्टी

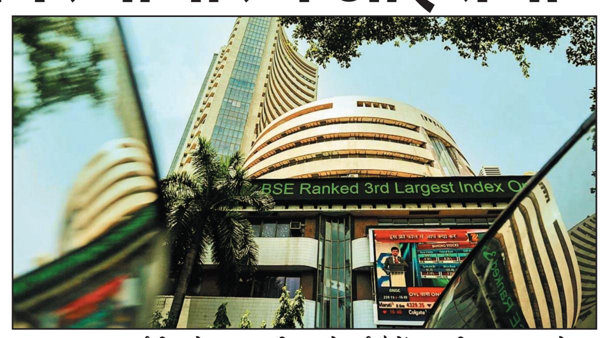

मुंबई, 19 नवंबर. आईटी कंपनियों के नेतृत्व में घरेलू शेयर बाजारों में बुधवार को तेजी देखी गयी और बीएसई का सेंसेक्स पहली बार 85 हजार अंक के पार बंद हुआ. सेंसेक्स 513.45 अंक चढ़कर 85,186.47 अंक के रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ.

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक 142.60 अंक की बढ़त में 26,052.65 अंक पर बंद हुआ. इसका रिकॉर्ड बंद स्तर 29 अक्टूबर को 26,053.90 अंक रहा था. आईटी सेक्टर की कंपनियों में जबरदस्त तेजी रही. कनाडा के कैलगेरी में कार्यालय खोलने की घोषणा के बाद एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयर सेंसेक्स में सवा चार फीसदी से अधिक चढ़े. मंगलवार को शेयर पुनर्खरीद के विवरण साझा करने के बाद इंफोसिस का शेयर भी पौने चार फीसदी की मजबूती के साथ बंद हुआ. टीसीएस का शेयर दो प्रतिशत ऊपर बंद हुआ. टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स का शेयर पौने तीन प्रतिशत से अधिक और मारुति सुजुकी का सवा फीसदी से ज्यादा टूट गया. मझौली कंपनियों में भी तेजी रही जबकि छोटी कंपनियों में बिकवाली अधिक देखी गयी. एनएसई में आईटी के बाद सार्वजनिक बैंकों के समूह में सबसे अधिक तेजी रही. स्वास्थ्य, रियलिटी, तेल एवं गैस और मीडिया समूहों के सूचकांक लुढ़क गये.

5जी यूजर्स के लिए जियो जेमिनआई प्रो प्लान मुफ्त

मुंबई, 19 नवंबर. दूरसंचार सेवा प्रदाता रिलायंस जियो ने बुधवार से अपने सभी 5जी यूजर्स के लिए जियो जेमिनआई प्रो प्लान बिल्कुल मुफ्त उपलब्ध कराने की घोषणा की है.

इस प्लान में गूगल के नये और एडवांस जेमिनआई 3 मॉडल को शामिल किया गया है, जिससे यूजर्स को और भी अच्छा एआई अनुभव मिलेगा. पहले यह ऑफर केवल युवा ग्राहकों तक ही सीमित था लेकिन अब कंपनी ने इसे सभी अनलिमिटेड 5जी यूजर के लिए उपलब्ध कराने की घोषणा की है. कंपनी ने आज एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि सभी जियो अनलिमिटेड 5जी ग्राहक 18 महीने तक जेमिनआई प्रो प्लान का मुफ्त लाभ उठा सकेंगे, जिसकी कीमत 35,100 रुपये है. यह सुविधा 19 नवंबर से सभी के लिए उपलब्ध होगी.

स्पाइजेट ने इक्विटी शेयर जारी कर उतारा कर्ज

स्पाइजेट ने 10 करोड़ से ज्यादा इक्विटी शेयर का किया आवंटन

`कंपनी को 442.50 करोड़ रुपये की देनदारी समाप्त करने में मदद मिली

नयी दिल्ली, 19 नवंबर (वार्ता) वित्तीय तंगी से जूझ रही निजी विमान सेवा कंपनी स्पाइसजेट ने विमान लीज पर देने वाली कंपनी कार्लाइल एविएशन को प्राथमिकता के आधार पर इक्विटी शेयर जारी कर 442 करोड़ रुपये कर्ज उतार दिया है.

एयरलाइंस ने बुधवार को एक विज्ञप्ति में बताया कि उसने कार्लाइल एविएशन को 10,41,72,634 इक्विटी शेयर जारी किये हैं. प्राथमिकता के आधार पर जारी 10 रुपये अंकित मूल्य वाले ये शेयर 32.32 रुपये के प्रीमियम पर 42.32 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से जारी किये गये हैं. इससे कंपनी को 442.50 करोड़ रुपये की देनदारी समाप्त करने में मदद मिली है. स्पाइसजेट के निदेशक मंडल ने 18 नवंबर को इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की. दोनों कंपनियों के बीच हुए समझौते के अनुसार, यदि कार्लाइल को इन शेयरों की बिक्री से पांच करोड़ डॉलर से अधिक की राशि मिलती है तो उसे जितना मुनाफा होगा उसका एक हिस्सा भविष्य के लीज बकाया के भुगतान पर खर्च किया जायेगा. इसके अलावा, समझौते में यह भी प्रावधान है कि भविष्य विमान और इंजनों की मरम्मत और रखरखाव के लिए स्पाइसजेट के पास 7.96 करोड़ डॉलर की राशि उपलब्ध होगी.

घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में सुधार के आसार

नई दिल्ली,19 नवबंर. भारतीय विमानन उद्योग में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए सुधार के संकेत दिखाई दे रहे हैं. रेटिंग एजेंसी अपने नवीनतम आउटलुक में कहा कि घरेलू हवाई यात्री यातायात में इस साल चार से छह प्रतिशत की मामूली वृद्धि होने की संभावना है. वहीं अंतरराष्ट्रीय यात्री यातायात में वृद्धि 13-15 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान है. अनुसार, अप्रैल-अक्तूबर 2025 में घरेलू यात्री यातायात 944.5 लाख रहा, जो सालाना आधार पर 1.6 प्रतिशत बढ़त दर्शाता है.

समाचार विशेष

बडगाम हार के बाद फारूक के बदले सुर

श्रीनगर. नेशनल कॉन्फ्रेसं के नेता फारूक अब्दुल्ला के सुर बदल गए हैं. उन्होंने दिल्ली में लाल किले के सामने हुए कार विस्फोट में मारे गए संदिग्ध आतंकवादी डॉक्टर उमर और इस मामले में गिरफ्तार दूसरे संदिग्ध आतंकवादियों की एक तरह से तरफदारी की है. गौरतलब है कि इस मामले में आधा दर्जन से ज्यादा डॉक्टर पकड़े गए हैं. इन संदिग्ध आतंकवादियों को लेकर फारूक अब्दुल्ला ने कहा है कि लोगों को यह सोचना चाहिए कि आखिर ये डॉक्टर लोग क्यों और कैसे आतंकवादी बन गए.

उनका संदिग्ध आतंकवादियों के प्रति इस तरह सहानुभूति दिखाना या यह संकेत देना कि अब भी शासन की तरफ से ऐसी ज्यादती हो रही है, जिसमें डॉक्टरी पढ़ने के बाद भी लोग आतंकवादी बन रहे हैं, बेहद अफसोस की बात है. फारूक अब्दुल्ला का यह बदला हुआ सुर

निश्चित रूप से बडगाम सीट पर उनकी पार्टी की हार के कारण है.

गौरतलब है कि पिछले साल हुए विधानसभा चुनाव में उमर अब्दुल्ला दो सीटों से चुनाव लड़े थे और जीते थे. चुनाव के बाद उन्होंने बडगाम सीट से इस्तीफा दे दिया था. उस सीट पर 11 नवंबर को उपचुनाव हुआ था, जिसमें उमर ने खूब मेहनत की थी और खूब प्रचार किया था लेकिन वहां महबूबा मुफ्ती की पार्टी पीडीपी उम्मीदवार ने नेशनल कॉन्फ्रेंस को हरा दिया.

नेशनल कॉन्फ्रेंस के श्रीनगर के सांसद आगा रूहुल्ला ने इस सीट पर प्रचार से मना कर दिया था. माना जा रहा है कि जम्मू कश्मीर में उमर अब्दुल्ला के बारे में यह धारणा बन रही है कि वे भाजपा से मिले हुए हैं और केंद्र सरकार के एजेंडे के हिसाब से काम कर रहे हैं. यह भी प्रचार हो रहा है कि उन्होंने जम्मू कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग भी छोड़ रखी है. इससे कांग्रेस और पीडीपी दोनों के लिए मौका बन रहा है. तभी फारूक अब्दुल्ला ने अचानक यू टर्न किया है और संदिग्ध आतंकवादियों के प्रति सहानुभूति दिखाने लगे हैं.

शत्रुघ्न सिन्हा आगे क्या करेंगे?

नई दिल्ली. पश्चिम बंगाल की आसनसोल सीट से तृणमूल कांग्रेस के सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने एक सीट छोड़ कर बिहार की किसी सीट पर प्रचार नहीं किया. एक सीट पर भी उन्होंने पार्टी से ज्यादा उम्मीदवार का प्रचार किया.

उन्होंने पटना की कुम्हरार सीट के उम्मीदवार केसी सिन्हा को वोट देने की अपील की थी. गौरतलब है कि केसी सिन्हा शिक्षक रहे हैं और उनकी गणित की किताबें बिहार में कई पीढ़ियों ने पढ़ा है. वे कायस्थ जाति से आते हैं. तीसरी बात यह है कि वे जन सुराज पार्टी से चुनाव लड़ रहे थे. ध्यान रहे जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी का चुनाव संभालते हैं. पिछले चुनाव में तो उन्होंने पूरा चुनाव ही लड़वाया था.

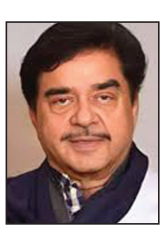

सो, इन तीन कारणों से शत्रुघ्न सिन्हा ने केसी सिन्हा को समर्थन किया और उनको वोट देने की अपील की. लेकिन नतीजों के बाद उनके सुर पूरी तरह से बदल गए. उन्होंने नीतीश कुमार की जम कर तारीफ की. चुनाव नतीजों के बाद शत्रुघ्न सिन्हा ने मुख्यमंत्री के तौर पर नीतीश कुमार के किए कामों की खूब तारीफ की और बिहार के लोगों का भी धन्यवाद किया कि उन्होंने फिर से नीतीश कुमार को चुना.

कांग्रेस ने फूंका विधानसभा चुनाव 2027 का बिगुल

देहरादून. कांग्रेस के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल के पदभार ग्रहण समारोह से पार्टी ने विधानसभा चुनाव 2027 का बिगुल फूंक दिया है. समारोह में कार्यकर्ताओं का जोश देख पार्टी के बड़े नेता उत्साहित नजर आए. जो पूरे समारोह में चुनाव तैयारी के साथ ही एकजुटता पर जोर देते रहे.

प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत पार्टी नेताओं को पांडव और पंचमुखी रुद्राक्ष बताकर उनमें जहां जोश भरते नजर आए तो वहीं, उन्होंने नसीहत भी दी. उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति यह न सोचे कि विधानसभा चुनाव में पार्टी उनकी सीट हार जाए और अन्य सभी 69 सीटें जीत जाए. इसके बजाए उन्हें यह सोचना होगा कि पार्टी उनकी सीट जीत जाए.

सभी अपने विधानसभा क्षेत्र की सीट जताने का प्रयास करेंगे तो निश्चित रूप से पार्टी चुनाव में परचम लहराएगी. उन्होंने अपने संबोधन में प्रीतम सिंह को पार्टी के लिए अर्जुन बताया तो नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य को भीम बताते हुए कहा कि आज संविधान, गांधी, नेहरू, अंबेडकर का सिद्धांत खतरे में है. प्रीतम को गांडीव और यशपाल आर्य, सामाजिक न्याय की गदा लेकर प्रहार करेंगे तभी भाजपा 2027 में परास्त होगी. पूर्व मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि कार्यकर्ता और नेता पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार की उपलब्धियों को जनता के बीच ले जाएं. कांग्रेस कार्यकाल में सबसे अधिक पेंशन और नौकरियां लगी. पूर्व प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने कहा कि पार्टी के सभी बड़े नेता एकजुट हैं, उनमें कोई झगड़ा नहीं है. नीचे स्तर पर कुछ लोग अधिक उत्साहित होते हैं, जो गुटबाजी के झूठे दावे करते हैं. ऐसे लोगों को चिह्नित किया जाना चाहिए.

मंच में नहीं मिली जगह- कांग्रेस के कुछ बड़े नेताओं को मंच पर जगह नहीं मिली. पूर्व मंत्री और कुछ विधायक मंच में नजर नहीं आए. वहीं, संचालकों को कुछ लोगों को मंच से उतारने के लिए खासी मशक्कत करनी पड़ी. इस काम के लिए सेवादल कार्यकर्ताओं को भी लगाया गया. समारोह में खराब साउंड सिस्टम की वजह से पार्टी नेताओं को संबोधन में दिक्कत आई.

कांग्रेस में ये हैं, पंचमुखी रुद्राक्ष

प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने गणेश गोदियाल, प्रीतम सिंह, करन माहरा, हरक सिंह रावत और यशपाल आर्य को पंचमुखी रुद्राक्ष बताया. उन्होंने कहा कि इनके पास पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार की उपलब्धियां गिनाने के साथ ही सरकार की गलत नीतियों के रूप में कई अस्त्र हैं.

विशेष पार्टी ऑफिसों में उमड़ा हुजूम, बगावत की आशंका बढ़ी

पुणे मनपा चुनाव : टिकट के लिए होड़

पुणे. पुणे महानगरपालिका चुनाव का माहौल दिन प्रतिदिन गर्म होता जा रहा है. आरक्षण लॉटरी जारी होने के बाद प्रभागों में उम्मीदवारी की स्थिति स्पष्ट हो गई है, जिसकी वजह से अब तमाम पार्टी के भीतर राजनीतिक प्रक्रियाएं और गतिविधियां शुरू हो गई हैं.

इन सबके बीच राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरदचंद्र पवार) पार्टी में इच्छुक उम्मीदवारों ने आवेदन लेने के लिए भारी भीड़ लगाना शुरू कर दिया है. यही स्थिति भाजपा, शिवसेना और कांग्रेस भी देखने को मिल रही है. वहीं दूसरी तरफ शहर के कई हिस्सों में विभिन्न पार्टी की इच्छुकों की तरफ से स्वयं की उम्मीदवारी के लिए जिस तरह से फ्लैक्सबाजी की जा रही है. उसकी वजह से पुणे का राजनीतिक माहौल गर्म हो गया है.

जैसे ही मनपा चुनाव की प्रक्रिया ने गति पकड़ी है पार्टी के कार्यकर्ताओं में उम्मीदवारी को लेकर जबरदस्त उत्सुकता पैदा हो गई है. प्रभाग-वार आरक्षण की घोषणा होते ही शहर के पार्टी कार्यालय में आवेदनों के लिए मानो भीड़ उमड़ पड़ी है. पार्टी ने जानकारी दी है कि उपलब्ध कराए गए आवेदन कुछ ही घंटों में समाप्त हो गए और अब तक 300 इच्छुक उम्मीदवारों ने आवेदन लिए हैं. बढ़ती मांग को देखते हुए अतिरिक्त आवेदन भी उपलब्ध कराए गए हैं.

प्रभाग संरचना को अंतिम रूप दिया गया- इससे पहले 2017 में हुए महानगरपालिका चुनाव के बाद 2022 में चुनाव अपेक्षित थे. लेकिन ओबीसी आरक्षण से संबंधित न्यायिक प्रक्रिया के कारण चुनाव आगे बढ़ा दिए गए थे. हाल ही में न्यायालय ने 31 जनवरी 2026 से पहले चुनाव कराने का आदेश दिया जिसके बाद राज्य चुनाव आयोग ने प्रभाग रचना को अंतिम रूप दिया.

कार्यकर्ता आगे आ रहे

राज्य में सत्ता परिवर्तन और बाद में हुई पार्टी फूट के बाद राष्ट्रवादी कांग्रेस दो गुटों में विभाजित हो गई. राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी नाम अजित पवार गुट को मिला जबकि शरद पवार के गुट को 'राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार)' नाम मिला. इस बदलाव के कारण अधिकांश नगरसेवक अजित पवार के गुट में चले गए हैं, जिससे शरद पवार गुट में नए नेतृत्व और कार्यकर्ताओं के लिए अवसरों के द्वार खुल गए हैं. पदाधिकारियों का कहना है कि इसे देखते हुए बड़ी संख्या में कार्यकर्ता चुनाव लड़ने के लिए आगे आ रहे हैं. प्रभागों में लगाए गए फ्लेक्स और बैनर भले ही स्थानीय नागरिकों का ध्यान खींच रहे हों, लेकिन इससे पार्टी के भीतर असंतोष पैदा होने लगा है. आधिकारिक उम्मीदवारी घोषित होने से मुश्किलें खड़ी होने की संभावना है. ऐन वक्त पर उन्हें नाम वापस लेने के लिए कहना मुश्किल होगा और इसलिए बगावत की चिंगारी भड़कने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है.